भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

06.08.2014 को लोक सभा में

पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 3854

परमाणु ऊर्जा उत्पादन

3854. श्री ओम बिरला:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से होने वाले उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(ख) विकसित देशों में ऊर्जा-उत्पादन के क्षेत्र में प्रयुक्त परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता और सुरक्षागत विशिष्टियों का भारत स्थित संयंत्रों की तुलना में ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन संयंत्रों को अन्य विकसित देशों के संयंत्रों के समान स्तर पर लाने के लिए कोई कार्य-योजना है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) देश में 20 नाभिकीय विद्युत रिएक्टर हैं, जिनकी स्थापित उत्पादन क्षमता 4780 मेगावाट है। 20 रिएक्टरों में से, रावतभाटा, राजस्थान स्थित राजस्थान परमाणु बिजलीघर (आरएपीएस) यूनिट-1 (100 मेगावाट) तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन हेतु विस्तारित शट-डाउन की अवस्था में है। कुल 1840 मेगावाट क्षमता वाले प्रचालनरत नौ रिएक्टर, आयातित ईंधन को उपयोग में लाते हैं, और अपनी निर्धारित क्षमता पर प्रचालनरत हैं। कुल 2840 मेगावाट क्षमता वाले अन्य दस रिएक्टर, स्वदेशी ईंधन, जो उन्हें उनकी निर्धारित क्षमता पर प्रचालित करने के लिए अपेक्षित मात्रा में उपलब्ध नहीं है, को उपयोग में लाते हैं । इसके अतिरिक्त, कुडलकुलम, तमिलनाडु स्थित कुडलकुलम नाभिकीय विद्युत संयंत्र-1 (1000 मेगावाट) को, अक्तूबर, 2013 को ग्रिड के साथ जोड़ा गया था, ने जून, 2014 में अपनी पूर्ण निर्धारित क्षमता भी प्राप्त कर ली है।

(ख) भारतीय नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की संरक्षा और सुरक्षा विकसित देशों के तुलनीय है। जहां तक क्षमता का संबंध है, भारतीय नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के यूनिट के आकार को, उनकी ग्रिड की विद्युत क्षमता के अनुसार 200 /220 मेगावाट से 540 मेगावाट तक बढ़ाया गया है। निर्माणाधीन नए विद्युत संयंत्र यूनिटों की क्षमता 700 मेगावाट है। विदेशी तकनीकी सहयोग के साथ स्थापित किए जाने वाले रिएक्टरों के यूनिट का आकार 1000 मेगावाट अथवा उससे अधिक होगा। विकसित देशों में भी, नए रिएक्टरों के यूनिट का आकार सामान्यत: 1000 मेगावाट अथवा उससे अधिक होता है।

(ग) भारतीय नाभिकीय विद्युत संयंत्र पहले से ही विकसित देशों के संयंत्रों के समान हैं।

(घ) यह प्रश्न ही नहीं उठता।

****